

I दीर्घ उत्तरीय प्रश्न :

दान ने अद्य कब और क्यों आ जाता है ?

Ans: जब मनुष्य अपने द्वारा दी गई चीजों को दान ना मानकर दूसरों पर अहंकार करना मान लेता है तब उसमें अद्य अर्थात् अहंकार आ जाता है। वह बिना किसी लाभ के दूसरों की मदद नहीं करता।

2 कवि ने दान को 'जीवन का सञ्चा' कहा है/ क्यों कि कैसे सिद्ध किया है ?

Ans: कवि ने दान को 'जिन्म का सञ्चा' कहा है क्योंकि जिस प्रकार दूसरों को दुःखों से कीर्ति नहीं रोक सकता उसी प्रकार दान से हम स्वयं को रोक नहीं सकते, पर जिन्म भर चलने वाली प्रक्रिया है।

3 दान को जीवन का प्रकृत धर्म क्यों कहा जाता है ?

Ans: प्रकृति की सभी चीजें अपना सर्वस्व दूसरों पर छोड़कर जाती हैं। जैसे पेड़, नदी आदि। कवि ने प्रकृति से प्रेरणा लेते हुए ही दान को भी प्रकृत धर्म माना है। लाभ की इच्छा किए बिना हमें भोजन प्राप्त दान करना चाहिए।

II 1. भाषा खण्ड लघु कीजिए :

क) एक रोल तो हमें स्वयं सब कुछ देना पड़ता है।
Ans इस पंक्ति के माध्यम से कवि यह कहना चाहता है कि यदि एक व्यक्ति अपने जीवन में कुछ नहीं करता है तो तब व्यक्ति के मरने के बाद अपना सब कुछ मिट्टी में मिलाना ही पड़ता है, यह प्रकृति का नियम है।

ख) ये डालियोँ स्वस्थ और फिर नए-नए हल आँ।

Ans कवि हमको यह समझाना चाहते हैं कि परिवर्तन या बदलाव प्रकृति का नियम है। नया एक दिन पुराना अवशेष होता है। नए की मजबूत बनने के लिए पुराने को भी संभालकर रखना पड़ता है। डालियों के स्वस्थ रहने पर ही उसमें नए-नए पत्त आँ।

ग) कविता का प्रतिपादय अपने शाब्दों में लिखिए।

Ans इस कविता में कवि ने दान का महत्व बताया है। प्रकृति का कार्य - व्यापार दान - का चल रहा है। यह एक स्वाभाविक प्रक्रिया है। दान - में अपना भी हिस्सा निहित होता है। प्रकृति से संबंधित कई चीजों के उदाहरण हम ले सकते हैं - जैसे

पेड़, बादल, नदी आदि प्रकृति से सीख
लेते हुए अनुष्ठान को और दान देने का पुण्य
कार्य करना चाहिये।

I N D E X

NAME: VIVEK KADRE

STD.: 8

SEC.: _____

ROLL NO.: _____

SUB.: Hindi

S. No.	Date	Title	Page No.	Teacher's Sign / Remarks
①	16.04.21	दास - बस	①	